TESS India

चिह्न बनाना और प्रारंभिक लेखन

भारत में वद्यालय आधारित समर्रन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

The Open University
UKaid from the British people

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोण के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए पाठ योजनाएँ तैयार करने तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और यह ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को उन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय ज़रूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार की परिपाटियों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है, लेकिन यदि आप उन्हें हासिल नहीं कर पाते हैं तो वे उनके लिए अनिवार्य नहीं हैं।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE04v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में छोटे बच्चों के प्रारंभिक लेखन का परीक्षण किया गया है। जब बच्चे कागज़ पर चिह्न लगाने लगते हैं, तो इसका अर्थ यह होता है कि वे संचार के एक स्वरूप के तौर पर लेखन को खोज रहे हैं और समझने लगे हैं। इस इकाई में, आप अंग्रेज़ी लेखन के अभ्यास में छोटे विद्यार्थियों की सहायता करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कृपया ध्यान दें कि इस इकाई की गतिविधियाँ और संसाधन किसी भी भाषा में प्रारंभिक लेखन के विकास के लिए उपयुक्त हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- प्रारंभिक लेखन विकास के संकेतकों को पहचानना।
- लेखन संसाधनों को व्यवस्थित करना।
- अपनी कक्षा में उपयोग के लिए लेखन गतिविधियों और दिनचर्या की योजना बनाना।

1 प्रारम्भिक लेखन क्या होता है?

इसकी शुरुआत आप प्रारंभिक लेखन प्रक्रिया पर विचार करके करते हैं।

गतिविधि 1: प्रारम्भिक लेखन क्या होता है?

चित्र 1 को देखें, जो एक चार–वर्षीय बालिका के 'लेखन' को दर्शाता है। उसने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्री–स्कूल शिक्षक को बताया कि वह संख्याएँ और वर्ण लिख रही है। आप एक लेखन–अंश के रूप में इसका मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे, या क्या आपको लगता है कि यह केवल निरर्थक कलम चलाना है? इस लेखन अंश के बारे में अपने विद्यालय के अन्य शिक्षकों से बात करें। इस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया है?

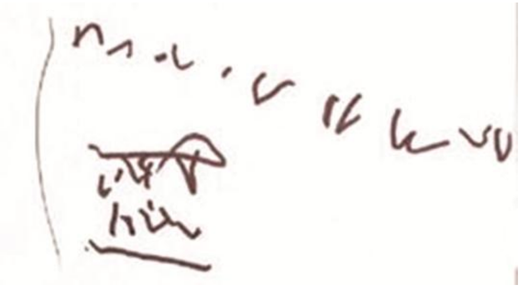

चित्र 1 एक चार वर्षीय बालिका द्वारा 'लेखन'।

इसके प्रारंभिक चरणों में, प्रारम्भिक लेखन किसी कागज़ पर कलम चलाना जैसा या असंबद्ध चिह्नों और आकृतियों के समूह जैसा दिखाई पड़ सकता है। लेकिन जिस लड़की ने यह लिखा था, उसमें इस बात के बारे में ज्ञान और जागरुकता झलकती है कि लेखन क्या है। वह जानती है कि:

- कागज़ पर बने चिह्न संख्याओं और वर्णों के प्रतीक हो सकते हैं
- लेखन के द्वारा जानकारी दी जाती है
- लेखन पढ़े जाने के लिए होता है।

बहुत छोटे बच्चे, जो अपने घर में, विद्यालय में, या समुदाय में लेखन को देखते हैं, वे जल्दी ही यह समझने लगते हैं कि लेखन के कई अलग–अलग अर्थ और उद्देश्य होते हैं। वे इसे दोहराने की कोशिश करते हैं, और जो कुछ भी वे देखते हैं, उसकी नकल करके और साथ ही नकल किए बिना अपने स्वयं के चिह्न बनाकर वे ऐसा करते हैं। जब वे ऐसा करते हैं, तो दरअसल वे कागज़ पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने वाले लेखक बन रहे होते हैं। छोटे विद्यार्थी जब अंग्रेज़ी में लिखना शुरू करते हैं, तो उन्हें एक साथ इन पाँच बातों पर ध्यान देना चाहिए:

- अँगुलियों पर नियंत्रण
- अक्षर निर्माण
- अंग्रेज़ी के अक्षर, ध्वनियाँ और आकृतियाँ
- अंग्रेज़ी शब्दों का अर्थ
- उनके लेखन का संपूर्ण संदेश।

विचार के लिए रुकें

- जब आप विद्यार्थियों को कोई लेखन गतिविधि करने के लिए कहते हैं, तो आप उपरोक्त पाँच पहलुओं में से किस पर ध्यान केंद्रित करते हैं? क्या आपको लगता है कि कुछ पहलू ऐसे हैं, जो दूसरों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं?
- आपके अनुसार विद्यार्थी किन पहलुओं को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं?

2 विद्यार्थियों का लेखन

गतिविधि 2: विद्यार्थी कहाँ–कहाँ लिख सकते हैं?

चित्र 2 को देखें। इनमें से कौन–सी गतिविधियाँ आपके विद्यार्थियों के साथ कक्षा में और विद्यालय में करना संभव होगा? यदि संभव हो, तो इस बारे में अपने किसी साथी शिक्षक से चर्चा करें। अपनी कक्षा में, और कक्षा से बाहर उन स्थानों के बारे में सोचें, जहाँ विद्यार्थी लेखन का अभ्यास कर सकते हैं।

चित्र 2 उन स्थानों के उदाहरण जहाँ विद्यार्थी लिख सकते हैं: अपनी अँगुलियों से रेत पर; लकड़ियों की सहायता से बाहर; चाक से फुटपाथ पर; पेंट से दीवार पर; रिसाइकल किए गए कागज़ पर पेन से; और बोर्ड पर चाक से।

अब नीचे दी गई जाँच सूची को देखें।

- **किस साधन के द्वारा लिखा जाए?** पेंसिल, पेन, पेंट, चाक, ब्रश, लकड़ी।
- **किस पर लिखा जाए?** रेत, फुटपाथ, चार्ट पेपर, रिसाइकल किया गया कागज़, बोर्ड, दीवारें, फर्श, धूल, कॉपी, रिसाइकल किए गए कागज़ से बनी छोटी किताबें।

यदि संभव हो, तो इस जाँच सूची के बारे में अपने किसी साथी शिक्षक से चर्चा करें। आपके विद्यालय में कौन से संसाधन उपलब्ध हैं?

आपके पास, कक्षा के भीतर और बाहर, उपलब्ध लेखन संसाधनों के बारे में सोचें, जिनसे विद्यार्थियों को अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता हो। क्या आप अपनी कक्षा के भीतर या बाहर ऐसे कोई क्षेत्र देखते हैं, जहाँ विद्यार्थी मुक्त रूप से चिह्न बना सकते हैं और लिख सकते हैं?

अगले दो या तीन सप्ताहों में अपनी कक्षा में कुछ सत्रों के आयोजन की योजना बनाएँ, जिनमें आप यहाँ दिए गए एक या अधिक विचारों का उपयोग करें। किसी साथी शिक्षक के साथ या प्रधानाध्यापक के साथ अपनी योजनाओं पर चर्चा करें। आप उन पाठों को व्यवस्थित कर सकते हैं, जिनमें विद्यार्थियों का समूह पूरे सप्ताह में क्रमशः मुक्त लेखन कर सकता है।

गतिविधि 3: विभिन्न उद्देश्यों के लिए लेखन

क्या आप अपने विद्यार्थियों से अपनी कक्षा में निम्नलिखित में से किसी भी विषय पर लिखने के लिए कहते हैं? उन सभी पर निशान लगाएँ, जिन्हें आप विद्यार्थियों से लिखने के लिए कहते हैं:

- सूचियाँ
- ग्रीटिंग कार्ड

- जन्मदिन के कार्ड
- पोस्ट कार्ड
- चिट्ठियाँ
- आमंत्रण पत्र
- धन्यवाद संदेश
- मेनू
- विज्ञापन
- व्यंजन–विधियां
- संकेत
- टिप्पणियाँ
- अनुस्मारक
- लेबल
- टिकट
- क्रमबद्ध सूची
- कार्यक्रम
- ईमेल
- टेक्स्ट संदेश
- मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण, अर्थात पोस्टर।

इनका लेखन कहानियाँ या कविताएँ लिखने से कैसे अलग है? ये क्यों लिखे जाते हैं और किन के लिए होते हैं? ये हमें कहाँ दिखाई पड़ते हैं?

क्या आपको लगता है कि आपके विद्यार्थियों को उपरोक्त में से किसी विषय पर लेखन में मज़ा आएगा? क्यों या क्यों नहीं? क्या आप पाठ्यपुस्तक से हाल में पढ़ाये गये ऐसे पाठ ढूँढ सकते हैं, जिनमें उपरोक्त में से किसी तरह के लेखन का संदर्भ मिलता हो?

3 पोस्टकार्ड लेखन

विद्यालय के बाहर लेखन के कई अलग अलग प्रकार हैं, जिन्हें लोग अलग अलग उद्देश्यों से पढ़ते हैं। लेखन में अक्सर चित्र और डिज़ाइन शामिल होते हैं, ताकि संदेश को अधिक रोमांचक, नाटकीय या स्पष्ट बनाया जा सके। विद्यार्थियों को उनके वास्तविक जीवन के अनुभवों को प्रदर्शित करने वाली लेखन गतिविधियों में मज़ा आता है।

लेकिन विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय में किया जाने वाला अधिकाँश लेखन उनके शिक्षक के अलावा कोई और नहीं पढ़ता। केस स्टडी 1 में, एक शिक्षक ने विद्यार्थियों से कुछ ऐसा लिखने के लिए कहा है, जिसे विद्यालय के बाहर के लोगों द्वारा पढ़ा जाता है।

केस स्टडी 1: श्रीमती सोनाली की कक्षा पोस्टकार्ड भेजती है

श्रीमती सोनाली एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन को पढ़ाती हैं।

एक बार एक विद्यार्थी ने मुझ से पूछा, 'किसी चिट्ठी को कैसे पता चलता है कि उसे मुझ तक किस तरह पहुँचना है?' मैंने कक्षा से पूछा कि आज तक कितने विद्यार्थियों को डाक से कोई चिट्ठी या पोस्टकार्ड कभी भी मिला है या उन्होंने भेजा है। किसी ने भी अपना हाथ नहीं उठाया। मैं अपने घर से कुछ पोस्टकार्ड लाई, और विद्यार्थियों को दिखाया कि वे कैसे होते हैं, पता कहाँ लिखा जाता है, और कहाँ पर संदेश लिखा जाता है और टिकट कहाँ लगाया जाता है।

मैंने विद्यार्थियों से कहा कि वे मोटे कागज़ का उपयोग करके अपने खुद के पोस्टकार्ड बनाएँ। विद्यार्थियों ने एक तरफ अपने खुद के चित्र बनाएं और दूसरी तरफ उनके घर का पता व अंग्रेज़ी में एक बहुत छोटा, सरल संदेश लिखा। मैंने देखा कि कुछ विद्यार्थी दूसरों की सहायता के बिना लिख सकते थे, और बाकी विद्यार्थियों को बहुत अधिक मदद की ज़रुरत थी।

मैंने हर पोस्टकार्ड पर टिकट के लिए प्रधानाध्यापक से थोड़े पैसे माँगे और फिर पूरी कक्षा उन कार्डों को पोस्ट करने के लिए डाकघर गई। मेरा चचेरा भाई डाकघर में नौकरी करता है और उसने वहाँ व्यवस्था करवा दी कि बच्चे डाकिये से मिल सकें और उसके काम के बारे में और चिट्ठियों को सही पते पर पहुँचाने के तरीके के बारे में उससे बात कर सकें। एक सप्ताह बाद, अपने घरों में वे पोस्टकार्ड पाकर विद्यार्थी बेहद रोमांचित थे और उन्होंने विद्यालय में मुझे वे कार्ड लाकर दिखाए।

अब मैंने यह गतिविधि अपना ली है। उदाहरण के लिए, मैं विद्यार्थियों से जन्मदिन के कार्ड या अन्य उत्सवों के लिए कार्ड बनाने के लिए कहती हूँ। कभी–कभी हम सब साथ मिलकर एक बड़ा कार्ड बनाते हैं, जिस पर हर कोई अपना हस्ताक्षर करता है।

विचार के लिए रुकें

- क्या यह पोस्टकार्ड गतिविधि सभी क्षमता स्तरों वाले विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है? क्यों या क्यों नहीं?
- क्या आपके विद्यार्थियों के पास ऐसी चिट्ठियाँ लिखने के अवसर हैं, जिन्हें विद्यालय के बाहर वाले लोगों द्वारा पढ़ा जाए ?

गतिविधि 4: एक पोस्टकार्ड भेजें

केस स्टडी 1 को मार्गदर्शन के रूप में उपयोग करते हुए, एक गतिविधि की योजना बनाएँ, जिसमें आपके विद्यार्थी एक पोस्टकार्ड या बहुत छोटी–सी एक चिट्ठी विद्यालय के बाहर के किसी व्यक्ति को लिखेंगे। पहले से योजना बनाने के महत्व के बारे में अधिक जानकारी पाने के लिए संसाधन 1, 'पाठ की योजना बनाना' देखें।

- आपको जिन संसाधनों की, और विद्यालय के बाहर के जिन व्यक्तियों की मदद की ज़रुरत पड़ेगी, उनकी व्यवस्था करें।
- आप विद्यार्थियों को इस गतिविधि का परिचय किस तरह देंगे?
- यदि आपका विद्यालय डाकघर के पास नहीं है, तो आप इस गतिविधि को कैसे अपनाएँगे?
- यदि आप यह गतिविधि बहुत छोटे विद्यार्थियों के साथ करते हैं, तो उनके चिह्न–निर्माण और लेखन में रुचि दिखाएँ। उन्हें यह बताने के लिए आमंत्रित करें कि उनके पोस्टकार्ड लेखन में क्या संदेश है।
- क्या आपके विद्यार्थियों को इस गतिविधि में मज़ा आया? क्या वे सभी प्रेरित थे? क्या वे सभी इसमें शामिल हुए?

4 लेखन का अभ्यास करना

जब छोटे विद्यार्थी लिखना शुरू करते हैं, तो आपको उनके लेखन में वर्णों, संख्याओं, चित्रों और आकृतियों का मिश्रण दिखाई दे सकता है। हो सकता है कि वर्ण और संख्याएँ सही स्वरूप में न हों, लेकिन यह एक विकास चरण है और आमतौर पर समय के साथ अपने आप इसमें सुधार हो जाता है। उन विद्यार्थियों के नाम दर्ज करें और उनका निरीक्षण करें, जिनमें यह प्रगति होती हुई नहीं दिख रही है। यह विकास में कठिनाई का संकेत हो सकता है।

लेखकों के रूप में विकसित होने के लिए आपके विद्यार्थियों को लेखन का बहुत अधिक अभ्यास करना होगा। केस स्टडी 2 में, शिक्षिका इस लक्ष्य को पाने के लिए अपनी कक्षा में कई तरह की लेखन दिनचर्याओं का उपयोग करती हैं।

केस स्टडी 2: सुश्री नीतू की लेखन दिनचर्याएँ

सुश्री नीतू एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा दो को पढ़ाती हैं।

मैं एक ग्रामीण विद्यालय में पढ़ाती हूँ, जहाँ विद्यार्थियों के घरों में लेखन बहुत ही कम होता है। मैं अपने विद्यार्थियों से प्रतिदिन अंग्रेज़ी लेखन का थोड़ा–बहुत अभ्यास करने के लिए कहती हूँ। कभी–कभी यह अँगुलियों पर नियंत्रण विकसित करने के लिए कोई यांत्रिक गतिविधि होती है, जैसे पाठ्यपुस्तक के किसी पाठ से ऐसे सभी शब्दों की नकल करना जो वर्ण 's' से शुरू होते हैं। कभी–कभी मैं उन्हें लेखन और चित्रकला को जोड़ने के लिए कहती हूँ, जैसे किसी त्यौहार के लिए कार्ड या पोस्टर बनाना।

मैं विद्यार्थियों से हर दिन उनका नाम और दिनांक लिखवाती हूँ। हर सप्ताह मैं उनसे कुछ ऐसा लिखने के लिए कहती हूँ, जो उन्हें वास्तविक जीवन में दिखता हो, जैसे एक सूची, एक टिकट या एक चिह्न। वास्तव में, वे अभी भी पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित कहानियाँ और कविताएँ लिखते हैं। मैं विद्यार्थियों को अपनी लेखन सूचियाँ, लेबल और उन कार्यों के बारे में अपने स्मरण पत्र दिखाती हूँ, जो कार्य मुझे कक्षा में करने हैं। यह जानना उनके लिए महत्वपूर्ण है कि लेखन संवाद के लिए और याद रखने के लिए होता है।

मैं उनके लेखन में बहुत ज्यादा सुधार न करने की कोशिश करती हूँ। मैंने अपने अनुभव से देखा है कि विद्यार्थी गलतियों के बारे में सोचकर इतने चिंतित रहते हैं कि वे कागज़ पर पेन रखने में भी डरते हैं, और उनमें लेखन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हो जाता है।

विचार के लिए रुकें

- क्या आप नीतू की कक्षा में लेखन की दिनचर्या को पहचान सकते हैं?
- उनकी कौन–सी दिनचर्या हस्तलेखन के कौशल का अभ्यास करने के लिए अधिक 'यांत्रिक' है और कौन–सी अधिक 'मुक्त' है, जिनसे लेखन के लिए उत्साह को प्रोत्साहन मिल सके?
- क्या आपको लगता है कि 'वास्तविक संसार' के बारे में लेखन करना विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है?
- आपके विद्यार्थी आपको किस तरह का लेखन करते हुए देखते हैं?

वीडियोः प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

गतिविधि 5: बहु–संवेदी लेखन अभ्यास

लेखन का विकास करने में हस्तलेखन का अभ्यास करना आवश्यक होता है। यहाँ दी गई दो 'कागज़रहित' गतिविधियों को पूरा पढ़ें और अपनी कक्षा में आजमाने के लिए कोई एक चुनें। (पहले किसी सहकर्मी के साथ इसे आजमाकर देखें।)

क्या आपकी कक्षा में अलग अलग आयु और क्षमता स्तर वाले विद्यार्थियों के लिए आपको यह गतिविधि अनुकूलित करनी पड़ेगी? आप यह कैसे करेंगे?

'हवा में लेखन'

इस खेल के लिए एक वर्णमाला या शब्द सूची को बोर्ड या चार्ट पेपर पर लिखना आवश्यक होता है। विद्यार्थी समूहों में काम कर सकते हैं या पूरी कक्षा एक साथ हो सकती है।

- एक विद्यार्थी कोई एक वर्ण या शब्द चुनता है, लेकिन इसे गुप्त रखता है।
- वह विद्यार्थी दूसरों की तरफ पीठ घुमा लेता है (यह महत्वपूर्ण है) और अपने हाथों का उपयोग करके वह वर्ण या शब्द हवा में बड़े आकार में लिखता है, ताकि सभी उसे देख सकें – ठीक उसी तरह जैसे शिक्षक बोर्ड पर लिखते हैं।
- अन्य विद्यार्थी उस वर्ण या शब्द का अनुमान लगाते हैं – क्या उनका अनुमान सही है?
- वे सभी साथ मिलकर, बड़े आकार में वह वर्ण या शब्द 'हवा में लिखते हैं' और हवा में लिखते समय साथ में प्रत्येक वर्ण का उच्चारण भी करते हैं।

'बैक राइटिंग'

इस खेल के लिए एक वर्णमाला या शब्द सूची को बोर्ड या चार्ट पेपर पर लिखना आवश्यक होता है। विद्यार्थी जोड़ियों में बैठते हैं और उनके बीच एक छोटा बोर्ड या कागज़ और पेंसिल होती है।

- एक विद्यार्थी कोई एक वर्ण या शब्द चुनता है और इसे गुप्त रखता है।
- एक अँगुली से वे दूसरे विद्यार्थी की पीठ पर वह वर्ण या शब्द लिखते हैं।
- दूसरा विद्यार्थी वह वर्ण या शब्द कागज़ पर या ब्लैकबोर्ड पर लिखता है – क्या दूसरे विद्यार्थी का उत्तर सही है?
- यह गतिविधि इस तरह भी की जा सकती है कि एक विद्यार्थी दूसरे साथी विद्यार्थी की हथेली पर वर्ण या शब्द लिखें।

कक्षा में, विद्यार्थियों को यह बतायें कि आपके द्वारा चुनी गई गतिविधि किस तरह की जानी है।

जब आप विद्यार्थियों का निरीक्षण कर रहे होंगे, तब इस बात पर ध्यान दें कि यह गतिविधि किस प्रकार शरीर और मन दोनों को शामिल करती है। बहु–संवेदी गतिविधियों के कारण छोटे विद्यार्थियों को सीखते समय याद रखने में मदद मिल सकती है।

आपके अनुसार एक शिक्षक के रूप में आपके लिए बहु–संवेदी गतिविधियों की कठिनाइयाँ क्या हैं?

5 सारांश

इस इकाई में छोटे विद्यार्थियों को कई तरह के साधनों के साथ, अलग–अलग स्थानों पर और अलग–अलग उद्देश्यों के लिए लेखन का अभ्यास करने के अवसर बार–बार देने के महत्व पर बल दिया गया है। लेखन एक विकासात्मक प्रक्रिया है, जिसकी शुरुआत प्रारंभिक चिह्न–रचना से होती है और फिर यह लंबे पाठों को लिखने तक पहुँचती है। इसके लिए शारीरिक शक्ति और साथ ही भाषा के ज्ञान की आवश्यकता होती है।

किसी भी विद्यार्थी के प्रारंभिक लेखन का आनंद लिया जाना चाहिए, उसे महत्व दिया जाना चाहिए और समझा जाना चाहिए। इसे गलतियों को ढूँढने और सुधारने का अवसर नहीं बनाना चाहिए। छोटे विद्यार्थी किस बारे में लिखते हैं और लेखन के प्रति उनके मन में उत्साह है, यह बात उनके लेखन के तरीकों (स्पेलिंग, हस्तलेख, मात्राएँ, रिक्त स्थान) से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

हो सकता है कि आप ऐसे विद्यालय में पढ़ाते हों, जहाँ के विद्यार्थियों को उनके घरों या समुदाय में बहुत कम लेखन देखने को मिलता है या बिल्कुल भी नहीं मिलता। हो सकता है कि आप ही आपके विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी और हिन्दी लेखन का प्रमुख स्त्रोत हों। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी कक्षा को एक 'मुद्रण–समृद्ध वातावरण' (print-rich environment) बनाएँ। इस विषय के बारे में एक पृथक शिक्षक विकास इकाई है।

इस विषय पर अन्य प्रारम्भिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *सीखने का परिवेश*
- *लेखन का विकास और उनका अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: पाठों का नियोजन करना

नियोजन और उनकी तैयारी क्यों जरूरी हैं

अच्छे पाठों के लिए योजना बनाना आवश्यक होता है। योजना बनाने से आपके पाठों को अधिक स्पष्ट और ससामयिक बनाने में सहायता मिलती है, जिससे विद्यार्थी सक्रिय होते हैं और इसमें रुचि लेते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी होता है जिससे अध्यापकों को पढ़ाते समय विद्यार्थियों के सीखने के बारे में जो कुछ पता चलता है वे उस पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। पाठों की श्रृंखला की योजना बनाने में, विद्यार्थियों और उनके पूर्व ज्ञान को जानना तथा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रगति के अर्थ को जानना, और विद्यार्थियों की सीखने में मदद के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों को खोजना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत् प्रक्रिया है जो एकल पाठों या पाठों की श्रृंखला (जहां अगला पाठ पिछले पाठ पर आधारित होता है) की तैयारी में आपकी सहायता करती है पाठ के नियोजन के चरण हैं:

- इस बारे में स्पष्ट रहना कि आपके विद्यार्थियों को प्रगति करने के लिए क्या चाहिए
- निर्णय करना कि आप किस तरह से पढ़ाएंगे जिसे विद्यार्थी समझें और आपको पता चलने वाली बातों पर प्रतिक्रिया करने में लचीलेपन को आप कैसे बनाए रखेंगे
- इस बात का पुनरावलोकन करेंगे कि पाठ कितनी अच्छी तरह से पूरा किया गया और आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा है ताकि आप भविष्य के लिए योजना बना सकें।

पाठों की श्रृंखला का नियोजन

जब आप किसी पाठ्यक्रम का पालन करते हैं, तो नियोजन का पहला चरण है यह निश्चय करना कि पाठ्यक्रम के विषयों या उपविषयों को खंडों या टुकड़ों में सर्वोत्तम ढंग से कैसे विभाजित किया जाय। आपको उपलब्ध समय और साथ ही विद्यार्थियों के प्रगति करने और कौशलों तथा ज्ञान को धीरे-धीरे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करना होगा। आपके अनुभव या साथियों के साथ चर्चाओं से आपको पता चल सकता है कि एक विषय को चार पाठों की जरूरत होगी, किंतु दूसरे विषय को केवल दो की। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उस अधिगम पर अलग तरीकों से और अलग अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य विषय पढ़ाए जाएंगे या विषय को विस्तारित किया जाएगा।

सभी पाठों की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- विद्यार्थियों को आप क्या पढ़ाना चाहते हैं
- आप उस शिक्षण का परिचय कैसे देंगे
- विद्यार्थियों को क्या और क्यों करना होगा।

आप शिक्षण को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि विद्यार्थी सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की श्रृंखला में विद्यार्थियों से क्या करने के लिए कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जैसे–जैसे आपके विद्यार्थी पाठों की श्रृंखला से प्रगति करते जायेंगे, आप उनकी समझ का आकलन कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों की तैयारी करना

पाठों की श्रृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक पाठ को उस प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो विद्यार्थियों ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं कि पाठों के अंत तक विद्यार्थियों ने क्या सीख लिया होगा या पाठों की श्रृंखला के अंत तक सीख जायेंगे लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित बिन्दु को दोहराने की आवश्यकता हो सकती है या आप शीघ्रता से आगे बढ़ सकते हैं। इसलिए हर पाठ को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी विद्यार्थी प्रगति करें और सफल तथा सबके साथ महसूस करें।

पाठ की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए संसाधन। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नए विषय पढ़ाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य अध्यापकों के साथ विचार–विमर्श करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

पाठ के शुरू में, विद्यार्थियों को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि हर एक को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। विद्यार्थी पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 पाठ का मुख्य भाग

विद्यार्थी जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। उपयोग करने के लिए संसाधनों और उस तरीके की पहचान करें जिससे आप अपनी कक्षा में उपलब्ध स्थान का उपयोग करेंगे। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समय का उपयोग पाठ के नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचेंगे, क्योंकि वे भिन्न तरीकों से सीखते हैं।

3 पाठ की समाप्ति पर अधिगम की जांच

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (पाठ के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या विद्यार्थियों को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और विद्यार्थियों के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

पाठ को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और विद्यार्थियों को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। विद्यार्थियों की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगले पाठ के लिए क्या योजना बनानी है।

पाठों का पुरावलोकन करना

हर पाठ का पुनरावलोकन करें और इस बात का ध्यान रखें कि आपने क्या किया, आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले पाठों के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- विविध प्रकार के खुले और बंद प्रश्न तैयार करना
- जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ फॉलो अप सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप विद्यार्थियों के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या और अधिक बेहतर कर सकते थे।

हर पाठ पढ़ाते समय आपकी पाठ संबंधी योजनाएं आवश्यक या अनिवार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप शिक्षण को किस तरह से करना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने विद्यार्थियों के वास्तविक शिक्षण के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से इस पर प्रतिक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

अतिरिक्त संसाधन

- ‘Cn u rd ths? A guide to invented spelling’, GreatSchools: http://www.greatschools.org/ students/ academic-skills/ 384-invented-spelling.gs
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Graham, J. and Kelly, A. (2010) *Writing under Control: Teaching Writing in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.

Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.

O’Sullivan. O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

चित्र 2: ऊपर बायाँः http://theguilletots.blogspot.co.uk; ऊपर बीच वालाः एलेन शिफ्रिन के सौजन्य से (Flickr में); ऊपर दायाँः http://www.childrens-mathematics.net/gallery_pastgraphics.htm; नीचे बायाँः http://webfronter.com/waltham-forest/stoneydown/menu6/Early_Years_Foundation_Stage/
Early_Years_Foundation_Stage_Page.html के सौजन्य से; नीचे बीच वालाः http://earlyyearsmaths.e2bn.org/library/; नीचे दायाँः http://montessoriteachings.blogspot.co.uk/.
(Figure 2: top left: http://theguilletots.blogspot.co.uk; top middle: courtesy of Ellen Shifrin (in Flickr); top right: http://www.childrens-mathematics.net/gallery_pastgraphics.htm; bottom left: courtesy of http://webfronter.com/waltham-forest/stoneydown/menu6/Early_Years_Foundation_Stage/Early_Years_Foundation_Stage_Page.html; bottom middle: http://earlyyearsmaths.e2bn.org/library/; bottom right: http://montessoriteachings.blogspot.co.uk/)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।